Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 02-08-2006

Participants : Singh Shri Prabhunath

an>

Title : Reported brutal killing of innocent citizens in Delhi on 31 July, 2006.

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष महोदय, 31 जुलाई को दिल्ली में कई घटनाएं घटीं, जिनमें 11 हत्याएं हुईं। इन 11 हत्याओं में एक परिवार के दो व्यक्ति, एक परिवार का एक व्यक्ति और एक परिवार के सात व्यक्तियों की हत्या हुई। जिस परिवार के सात व्यक्तियों की हत्या हुई, उसमें युवतियां भी थीं। उसकी सिर्फ हत्या ही नहीं हुई, बल्कि उस युवती के साथ बलात्कार हुआ और बलात्कार के बाद उसका प्राइवेट अंग काट दिया गया और एक के ऊपर एक लाख रखकर अपराधी वहां से भाग गये।

दिल्ली आपराधिक घटनाओं में अपना एक इतिहास बना रहा है। वैसे तो देश के हर भाग में आपराधिक घटनाएं घट रही हैं, विधि-व्यवस्था की स्थिति बुरी से बुरी है, लेकिन दिल्ली में चलती हुई गाड़ी में बलात्कार, इस तरह से एक-एक परिवार के सात व्यक्तियों की हत्या और युवतियों के साथ बलात्कार, उनका अंग काटकर और एक के ऊपर एक लाख रखने की घटना से हमको लगता है कि यह देश में एक अनहोनी घटना के रूप में देखी जाती है। दिल्ली का प्रशासन न सिर्फ राज्य सरकार के, बल्कि केन्द्र सरकार के भी जिम्मे है और यहां सारे लोग बैठे हुए हैं। यहां प्रधानमंत्री से लेकर पुलिस के सारे आला पदाधिकारी बैठे हुए हैं। इस घटना से यह बात साफ हो चुकी है कि अपराधियों के मन से कानून और पुलिस का भय समाप्त हो चुका है।

हम आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करना चाहते हैं कि इस गम्भीर सवाल पर सरकार इस सदन में अपना वक्तव्य दे कि अपराधियों पर काबू पाने के लिए क्या कार्रवाई करने जा रही है। कानून का राज स्थापित करने के लिए देश की राजधानी दिल्ली में वे कौन सी कार्रवाई करने जा रहे हैं। हम आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहते हैं और सिर्फ अनुरोध नहीं, प्रिय रंजन दासमुंशी जी बैठे हुए हैं, ऐसी गम्भीर घटना पर सरकार रैस्पोंस नहीं लेगी तो किस घटना पर रैस्पोंस लेगी। ये सदन में आश्वासन दें कि ये क्या करने जा रहे हैं, नहीं तो गृह मंत्री जी यहां आकर सदन में इस बात का उत्तर दें। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have allowed you to raise it because it is an important matter.

श्री प्रभुनाथ सिंह : हम तो आपके सब आदेश मानते हैं, आप सरकार को भी कहिये कि रैस्पोंड करे। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I will call the Member from Delhi also.

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : सरकार को भी बोला है, सुबह ऑलरेडी बोला है, आपने सुना है। On the other issue, they will make a statement. Law and order is a serious matter, I am sure they will do it.